# Language Policy Handout

- Choithram International (CI) has **English as the language of instruction**, and surveys and statistical analysis have identified **Hindi as the Mother Tongue for over 80% of the student population.**

- French is offered in LOTE (Language other than English) - PYP,Language -B -MYP & DP. The school is committed to provide as much facility and opportunity for **bilingual/multilingual language learning** as possible, across all three programmes.

- CI works on the IB ideology of "**all teachers are language teachers".**

- **The six skills of language learning**: Listening, Speaking, Reading, Writing, Viewing and Presenting are firmly entrenched in the curriculum from PYP to DP.

- The ongoing language development of our students is the **joint responsibility** of teachers, parents and students.

- The CI language philosophy **aims** to encourage students to employ Basic Interpersonal Communicative Skills (BICS) in and out of the classroom to aid in student-teacher and student-peer relationships, and effectively move towards developing Cognitive Academic Language Proficiency (CALP).

- In PYP, after admission of a student, parents are required to fill in the form for **Language Profiling.** For MYP and DP, Language Profiling Form*,* made available at the Front Desk, is a part of the admission procedure and is to be filled by both parents and students together. Admission Counselor and Front Office Executive provide Google Form for the purpose. This is done to establish the student's language background and proficiencies.

- **Entrance evaluation tests** for new admissions are conducted in English to gauge the proficiency and identify any specific language needs of the students.

- CI ensures the **Mother Tongue** (established as Hindi) is appropriately developed and maintained.
- There is option of a **self-taught course** available for students of MYP and DP.

- **CI MYP offers Language and Literature - English and Hindi to its learners.**
- **Language Acquisition(Language B) - English/Hindi/French** is offered,depending on the Language pathways a student has covered previously. Language Acquisition is structured in phases.

- **EAL/Language support** lessons are provided, depending on the student's language needs.
- CI **DP** offers **English A:Language and Literature and Hindi A:Literature to its learners.**
- **Language B offered in English,Hindi and French** is aimed at gaining sufficient proficiency in these languages at Ab Initio,SL or HL Levels.

- The language policy is **reviewed every year by the Language Steering Committee** and the Programme Coordinators as a part of the CI curriculum review cycle, or revised if any special requirement arises.

- **Last Review - January 2018**

भाषा नीति का हिंदी में सारांश

चोइथराम इंटरनेशनल

भाषा नीति

चोइथराम इंटरनेशनल में अंग्रेजी भाषा निर्देश देने का माध्यम है। सर्वे और सांख्यिकी विश्लेषण द्वारा यह जानकारी प्राप्त हुई है कि स्कूल में 80 प्रतिशत छात्र जनसंख्या की मातृभाषा हिंदी है।
चोइथराम इंटरनेशनल की भाषा नीति मातृभाषा के महत्व को बल प्रदान करती है। सी.आई. बहुभाषावाद को बढ़ावा देने में विश्वास करता है। इसलिए अंग्रेजी और हिंदी के अतिरिक्त फ्रेंच भाषा को अन्य भाषा के रूप में छात्रों पढ़ने की सुविधा दी जाती है।
प्रत्येक शिक्षक छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए उन्नत संप्रेषण की दिशा में एक अनुकूल वातावरण विकसित करने का प्रयास करता है। विषय संबंधित विशिष्ट शब्दावली में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए भाषा सीखना सभी विषयों-क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भाषा सीखने के छः कौशल सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, देखना और प्रस्तुत करना पी.वाय.पी. से डी.पी. के पाठ्यक्रम में दृढ़ता से विस्तारित है। सीखने की प्रक्रिया में अभिभावक और व्यापक समुदाय के सदस्यों की भागीदारी के द्वारा भाषा सीखने के कौशल को बढ़ावा दिया जाता है। विद्यालय, समुदाय-जागरूकता,भागीदारी और समुदाय के सकारात्मक संपर्क को बढ़ावा देता है, विशेषतौर पर अभिभावक और शिक्षक बच्चों की शिक्षा के लिए मुख्य जिम्मेदारी साझा करते हैं ।

<u>भाषा संबंधी विचार और उद्देश्य:</u>

सी.आई. भाषा दर्शन का लक्ष्य:

- छात्र प्रभावशाली, उचित, सटीक और आत्मविश्वास से भाषा सीखने और उपयोग करने में सक्षम बनें ।
- सभी छात्रों को सीखने की अनुकूल सुविधा देने हेतु मातृभाषा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।
- छात्रों में वाचन ,पठन, लेखन, दृश्य-श्रव्य और प्रस्तुति कौशल का विकास हो।
- छात्र भाषा का उपयोग विभिन्न संदर्भों और उद्देश्यों के लिए करने में सक्षम बनें।
- छात्र विविध संस्कृतियों से संबंधित व्यक्तियों के विभिन्न दृष्टिकोण, विभिन्न सांस्कृतिक और जातीय पृष्ठभूमि को भाषा और साहित्य द्वारा समझने हेतु प्रेरित हों।
- छात्र अलग-अलग विषयों में उपयोग की जाने वाली विशिष्ट शब्दावली के नियमों को समझें।
- कक्षा के अंदर और बाहर छात्र-शिक्षक और छात्रों के पारस्परिक संबंधों के विकास के लिए मूलभूत पारस्परिक संप्रेषण कौशल के उपयोग को विकसित करना

भाषा की रूपरेखा:

पी.वाय.पी. में, छात्र के प्रवेश के बाद, माता-पिता को भाषा प्रोफाइलिंग के लिए फॉर्म भरना होगा।
एम.वा.पी. और डी.पी. के लिए भाषा प्रोफाइलिंग प्रपत्र उपलब्ध करवाया जाता है, जो अभिभावक और छात्र दोनों को भरना होता है। यह प्रवेश प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्रक्रिया छात्र की भाषा संबंधी पृष्ठभूमि और कुशलता को जानने के लिए होती है। नए प्रवेश के लिए छात्र की भाषा संबंधी कुशलता का

आकलन और विशिष्ट भाषा की जानकारी की मूल्यांकन करने हेतु अंग्रेजी में प्रवेश-परीक्षा आयोजित की जाती है।

भाषा का मूल्यांकन:
समय-समय पर सभी भाषाओं के लिए फॉर्मेटिव और समेटिव मूल्यांकन की योजना बनाई गई है। छात्रों का कक्षा में  मौखिक प्रस्तुतिकरण, लिखित मूल्यांकन, छात्र-नेतृत्व कक्षा, सहपाठी मूल्यांकन और समूह गतिविधियों आदि के माध्यम से मूल्यांकन और परीक्षण किया जाता है। ऐसी सभी गतिविधियां विशिष्ट शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं, सीखने के परिणामों, कार्य विशिष्ट स्पष्टीकरण और मूल्यांकन मानदंडों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध होती हैं।

मातृभाषा का विकास:

सी.आई. यह सुनिश्चित करता है कि मातृभाषा (हिंदी) का उचित रूप से विकास और पोषण हो। मातृभाषा विकास में सहायता के लिए हमारे पास तीनों कार्यक्रमों में एक अच्छी तरह से संरचित पाठ्यक्रम और योग्य शिक्षक हैं। विभिन्न कार्यक्रमों में मातृभाषा के रखरखाव के लिए मातृभाषा- समन्वयक है। एम.वाय.पी. और डी.पी. में ऐसे छात्रों के लिए जिनकी मातृभाषा न तो अंग्रेजी है और न हिंदी है, इन अभिभावकों को मातृभाषा के विकास के महत्व के बारे में सलाह दी जाती है। तथा इनके लिए स्वयं –शिक्षण (Self-taught) पाठ्यक्रम का विकल्प दिया जाता है। यदि विदेशी मूल के छात्र हिंदी सीखने में रूचि व्यक्त करते हैं, तो स्कूल इसे भाषा अधिग्रहण के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करता है।

कार्यक्रम-विशिष्ट में नीति कार्यान्वयन:

प्राथमिक वर्ष कार्यक्रम:

अंग्रेजी और हिंदी के अलावा, इस कार्यक्रम में फ्रेंच भाषा को (अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषा) पी.वाय.पी. से ही प्रस्तावित किया गया है।
सी.आई. में  पी.वाय.पी से भाषा सीखने का लक्ष्य भाषा का उपयोग करने के लिए छात्रों की क्षमता को बढ़ावा देना है: जिससे वे

- अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करें
- अपनी पहचान की भावना को विकसित कर बनाए रखें और व्यक्त करें
- दूसरों के साथ संबंध स्थापित करें और बनाए रखें
- अपने विचार व्यवस्थित करें और दुनिया के बारे में जानें
- दूसरों के अनुभवों, विचारों और भावनाओं पर विचार करें और साझा करें
- दूसरों को निर्देशित करने और सलाह देने के लिए जानकारी प्राप्त करें
- खुद निर्णय लें और दूसरों से जुड़ी समस्याओं को हल करें
- मनोरंजक और कल्पनाशील गतिविधियों में भाग लें
- दूसरों की सांस्कृतिक विरासत की सराहना में  योगदान  दें
- सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने, देखने और प्रस्तुत करने के कौशल परस्पर जुड़े हुए हैं

पीवाईपी में छात्र विभिन्न व्यक्तिगत और सामाजिक पृष्ठभूमि का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस इस विभिन्नता के परिपेक्ष्य में हम मानते हैं कि यहाँ भाषा सीखने की आजीवन प्रक्रिया सबसे अच्छी तरह विकसित होती है:

- सीखने के अनुभवों का आधार और देखरेख
- व्यक्तिगत शिक्षण की शैलियों और दरों की पहचान।
- उद्देश्यपूर्ण सीखने के अनुभवों का प्रावधान।
- सीखने की रूपरेखा और विशेषताओं को बढ़ावा देना।
- पूर्व शिक्षण अनुभवों की पहचान और मूल्यांकन।
- सांस्कृतिक, बौद्धिक और शारीरिक पहलुओं का मूल्यांकन

पी.वाय.पी. से एम.वाय.पी. में प्रवेश करने वाले छात्रों को अपने आप को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए भाषाओं का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए। फ्रेंच में, शिक्षार्थी को उपयोग के लिए प्राथमिक समझ और शब्दावली विकसित करने में सक्षम होना चाहिए।
।

मध्य वर्षीय कार्यक्रम:

- सीआई एम.वाय.पी. में अपने शिक्षार्थियों को अंग्रेजी और हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है।

- शिक्षार्थियों को भाषा अधिग्रहण (भाषा बी) में अंग्रेजी / हिंदी / फ्रेंच पढ़ने की भी सुविधा दी जाती है, जिस भाषा को छात्र ने पहले कवर किया हो।

- भाषा बी में छात्र की प्रवीणता स्तर को स्वीकार करने के चरणों में संरचित किया जाता है। इन चरणों का शिक्षार्थियों के आयु समूहों या एम.वाय.पी वर्षों से कोई मेल नहीं होता है।

- यदि कोई छात्र लगातार शैक्षणिक सत्र में उसके स्तर 4 या उससे अधिक स्कोर करता है, तो उसे अगले चरण में पदोन्नत किया जाएगा, अन्यथा वह पहले के समान चरण में ही रहेगा।

- किसी भी भाषा बी विकल्प के लिए कोई पूर्व एक्सपोजर वाला छात्र, चरण 1 से भाषा पढ़ सकता है।

- एक नए भर्ती छात्र के लिए उपयुक्त चरण भाषा प्रवीणता टेस्ट के माध्यम से निर्धारित किया जाता है।

- छात्र की भाषा आवश्यकताओं के आधार पर ईएएल / भाषा का सहयोग प्रदान किया जाता है।

- एम.वाय.पी. से डीपी तक रहने वाले छात्र के लिए भाषा मार्ग आईबी द्वारा सुझाए गए भाषा मार्गों पर आधारित है।

● डीपी में रहनेवाले एम.वाय.पी. छात्रों ने भाषा सीखने के लिए एक जानकारी रखने वाला और चिंतनशील दृष्टिकोण विकसित किया होगा।

● उनके पास डी.पी. भाषा पाठ्यक्रमों में लागू होने और विस्तारित करने के लिए द्विभाषी कौशल होंगे।

डिप्लोमा कार्यक्रम:

● सीआई डीपी में अपने शिक्षार्थियों को अंग्रेजी ए: भाषा और साहित्य और हिंदी ए: में साहित्य पढ़ने का अवसर प्रदान करता है ।

● डीपी भाषा पाठ्यक्रम छात्रों को साहित्यिक विश्लेषण, प्रशंसा और साहित्यिक आलोचना के पहलुओं के साथ-साथ व्यक्तिगत पहचान और संप्रेषण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

● अंग्रेजी, हिंदी और फ्रेंच में भाषा अधिग्रहण का उद्देश्य एबनि शियो, एस.एल. या एच.एल. लेवल पर इन भाषाओं में पर्याप्त प्रवीणता प्राप्त करना है।

● पाठ्यक्रम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के प्रवेश के लिए छात्रों की तैयारी के उद्देश्य से निर्मित है।

<u>कार्यक्रम विशिष्ट में भाषा सहयोग:</u>

प्राथमिक वर्षीय कार्यक्रम:

भाषा शिक्षण (वर्ष स्तर के शिक्षक, विषय शिक्षक या सहयोग / संवर्धन शिक्षक द्वारा) की सिफारिश की जाती है:

● जानकारी और सहयोगी द्वारा योजनाबद्ध कार्यक्रम का सीधे सहयोग करने के लिए एक भाषा जांच के रूप में।

● जानकारी की ट्रांसडिसीप्लीनरी इकाई के भीतर एक जुड़े अनुभव के रूप में।

● जांच की एक अनुवांशिक इकाई में सीधे एक विशिष्ट आवश्यकता का सहयोग करने के लिए एक स्टैंडअलोन शिक्षण के रूप में।

● अप्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम का सहयोग करने के लिए ज्ञान और कौशल पर सहमत होने के हिस्से के रूप में।

मध्य वर्ष और डिप्लोमा कार्यक्रम:

- सेमेस्टर अंत आकलन के बाद, भाषा शिक्षकों, विषय शिक्षकों और ट्यूटर्स एक साथ परिणाम का विश्लेषण करते हैं।

- उन छात्रों को जो भाषाओं में लिखित या मौखिक अभिव्यक्तियों में संघर्ष करते हैं, उनके लिए भाषा शिक्षकों के मार्गदर्शन में सहायता कक्षाएं सौंपी जाती हैं, जिनमें अकादमिक सामग्री के आधार पर लेखन और मौखिक अभ्यास शामिल है जिससे शिक्षार्थी दक्षता प्राप्त करने की ओर बढ़ता है।

समीक्षा प्रक्रिया: सीआई पाठ्यक्रम समीक्षा के हिस्से के रूप में भाषा संचालन समिति द्वारा भाषा नीति की हर दो साल में समीक्षा की जाती है, यदि कोई विशेष आवश्यकता उत्पन्न होती है। भाषा संचालन समिति सीआई भाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी के लिए भी जिम्मेदार है।